भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1869

उत्तर देने की तारीख: 14.03.2022

एनटीए समन्वय समिति

†**1869. श्री अनुराग शर्मा:**
श्री मनोज तिवारी:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री प्रताप राव जाधव:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री बिद्युत बरन महतो:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने केंद्रीय विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी) के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) समन्वय समिति का गठन किया है और यदि हां, तो उक्त समिति की संरचना के साथ तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या विश्वविद्यालय में प्रवेश केवल सीयूसीईटी के माध्यम से दिया जाएगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या एनटीए ने विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा के लिए कोई पाठ्यक्रम तैयार किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसे कब तक तैयार किए जाने की संभावना है;
(घ) इससे देश भर में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को किस प्रकार लाभ होगा; और
(ड.) क्या विश्वविद्यालय का विचार 12वीं कक्षा की परीक्षा में छात्रों द्वारा प्राप्त अंकों को कुछ आनुपातिक महत्व देने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुभाष सरकार)

(क) से (ड़.) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुसरण में, दिल्ली विश्वविद्यालय ने स्नातक कार्यक्रम में एनटीए द्वारा आयोजित समान विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के माध्यम से प्रवेश लेने का निर्णय लिया है। तदनुसार, दिल्ली विश्वविद्यालय ने सीयूईटी के लिए एक राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी समन्वय समिति का गठन

किया है जिसमें विश्वविद्यालय के प्रशासन, परीक्षा, प्रवेश और छात्र कल्याण विभागों का प्रतिनिधित्व करने वाले संकाय और अधिकारी शामिल हैं।

सीयूईटी 13 भाषाओं में आयोजित किया जाएगा और विभिन्न भाषा माध्यमों में पढ़ने वाले छात्र भी प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होंगे। सीयूईटी से छात्रों, विश्वविद्यालयों और कॉलेजों और संपूर्ण शिक्षा प्रणाली पर बोझ कम होने की उम्मीद है। विभिन्न बोर्डों के छात्रों का मूल्यांकन समान स्तर पर किया जाएगा, जिससे उन्हें समान अवसर मिलेगा। छात्र एक आवेदन पत्र के साथ अपनी पसंद के अनुसार एक से अधिक केंद्रीय विश्वविद्यालयों में आवेदन कर सकते हैं, जिससे वित्तीय बोझ कम होगा और पहुंच में वृद्धि होगी। पाठ्यक्रम बारहवीं कक्षा के स्तर पर विषय की समझ पर आधारित है।

*****